

पंजाब केसरी 11/12/2024

# मानवाधिकार दिवस लोगों को भेदभाव से बचाने की पहल : डा. रोहित दत्त

अम्बाला, 10 दिसम्बर (बलराम) : छावनी स्थित गांधी मैमोरियल नेशनल कॉलेज में मंगलवार को यूथ रैडक्रॉस द्वारा प्राचार्य डा. रोहित दत्त के दिशा-निर्देशन में मानवाधिकार दिवस के उपलक्ष्य में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने कहा कि मानवाधिकार लोगों को भेदभाव से बचाने और उनके जीवन को सम्मानजनक एवं बेहतर बनाने की पहल है। इन मानवाधिकारों में जीवन के अधिकार से लेकर भोजन, शिक्षा, काम, स्वास्थ्य और स्वतंत्रता के अधिकार तक उन अधिकारों तक शामिल हैं जो जीवन को जीने लायक बनाते हैं। इससे पूर्व, वाई.आर.सी. के कन्वीनर डा. राकेश कुमार ने बताया कि दुनिया भर में हर साल 10 दिसम्बर

को मानवाधिकार दिवस मनाया जाता है। यह वह दिन है जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाया था। यह घोषणा दुनिया भर के इतिहास में एक मील का पत्थर है, क्योंकि इसमें सभी लोगों को मौलिक अधिकार दिए गए हैं, चाहे उनको पृष्ठभूमि कुछ भी हो। ये सार्वभौमिक अधिकार हम सभी में निहित हैं, चाहे हमारी राष्ट्रीयता, लिंग, जातीय मूल, रंग, धर्म, भाषा या कोई अन्य स्थिति कुछ भी हो।

विद्यार्थियों ने शपथ ली कि वे रंग, जाति, धर्म या भाषा किसी भी आधार पर न तो किसी से भेदभाव करेंगे और न ही किसी के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव होने देंगे। सभी को समान दृष्टि से देखना एवं सभी के मूल अधिकारों का सम्मान करना देश के हर नागरिक की जिम्मेदारी है।



मानवाधिकार दिवस के उपलक्ष्य में गांधी मैमोरियल नेशनल कॉलेज में रैली निकालते विद्यार्थी। (वेक्ल)



गांधी मैमोरियल नेशनल कॉलेज में मानवाधिकार दिवस पर अतिथि व्याख्यान करते सेवानिवृत्त कर्नल विशाल अत्री। (वेक्ल)

## जी.एम.एन. कॉलेज में मनाया मानवाधिकार दिवस

अम्बाला (बलराम) : छावनी स्थित गांधी मैमोरियल नेशनल कॉलेज में मंगलवार को छात्र प्रगति और पूर्व छात्र प्रकोष्ठ तथा राजनीतिक विज्ञान विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कॉलेज के पूर्व छात्र सेवानिवृत्त कर्नल विशाल अत्री द्वारा 'असमानताओं को कम करना और मानव अधिकारों को आगे बढ़ाना' विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया गया।

कर्नल विशाल अत्री व डा. सरोज ने बताया कि यह एक महत्वपूर्ण अवसर है, ताकि हम सभी एक साथ मिलकर यह सुनिश्चित कर सकें कि सभी लोगों को उनके मानवाधिकारों का आनंद मिले। छात्र प्रगति और पूर्व छात्र प्रकोष्ठ अध्यक्ष एवं कार्यक्रम को संयोजिका डा. तृप्ति शर्मा ने बताया कि जहां वर्ष 2023 में

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस की थीम सभी के लिए स्वतंत्रता, समानता और न्याय है, वहीं इस वर्ष 2024 में असमानताओं को कम करना और मानव अधिकारों को आगे बढ़ाना थीम है। मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा हम सभी को सशक्त बनाती है।

एन.सी.सी. के डैट अवनीत ने सफलतापूर्वक मंच संचालन किया। इंटरैक्टिव सेशन का समापन प्रश्नोत्तर दौर से हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्पाहपूर्वक मुख्य वक्ता से प्रश्न पूछे। कार्यक्रम के सफल संचालन में राजनीति विभाग के सदस्य लवप्रोत सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कॉलेज प्रिंसिपल डा. रोहित दत्त और डा. एस.एस. नैन को उनके मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

## 'फिट इंडिया मूवमेंट' के तहत हुआ व्याख्यान

अम्बाला (बलराम) : छावनी स्थित जी.एम.एन. कॉलेज में मंगलवार को वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा 'फिट इंडिया मूवमेंट', 'फिट इंडिया हैल्दी इंडिया' और 'फिट इंडिया में योग' थीम पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए फिट इंडिया मूवमेंट के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न धाराओं के छात्रों को उत्पाहपूर्ण भागीदारी देखी गई। व्याख्यान का उद्देश्य युवाओं में फिटनेस और स्वस्थ जीवन के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना था।

कार्यक्रम की संयोजिका डा. मौनू राठी ने छात्रों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और फिट इंडिया मूवमेंट को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया। युवाओं के बीच फिटनेस और स्वस्थ जीवन के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के अपने उद्देश्य को प्राप्त करते हुए व्याख्यान एक बड़ी सफलता थी। कार्यक्रम में छात्रों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और फिट इंडिया मूवमेंट को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया।

डा. मौनू राठी ने कहा कि जैसा

कि हम फिट इंडिया के लिए प्रयास कर रहे हैं, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि व्यक्तिगत स्वच्छता एक स्वस्थ राष्ट्र को नींव है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने दैनिक जीवन में साफ-सफाई और स्वच्छता को प्राथमिकता दें। एक स्वच्छ शरीर और दिमाग आपको पूरी क्षमता को उजागर करने को कुंजी है।

अच्छी व्यक्तिगत स्वच्छता का अभ्यास करके, आप न केवल अपने स्वास्थ्य को रक्षा कर रहे हैं, बल्कि एक स्वस्थ समुदाय में भी योगदान दे रहे हैं, इसलिए हम अपने दैनिक दिनचर्या में स्वच्छता सहित अच्छे आदतों को शामिल करने के लिए सचेत प्रयास करें। याद रखें कि आज स्वच्छता की ओर एक छोटा-सा कदम एक स्वस्थ कल को दिशा में एक बड़ी छलांग लगा सकता है। प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि वह सभी से व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने और स्वस्थ स्वस्थ भारत की दिशा में इस मिशन में शामिल होने के लिए दूसरों को प्रेरित करने का आग्रह करते हैं।